

17वीं लोक सभा के चार वर्षों के दौरान, लोक सभा सचिवालय में प्रौद्योगिकी के उपयोग में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है: लोक सभा अध्यक्ष

...

लोक सभा सचिवालय के कर्मचारियों को परिवर्तन और सुधार की प्रक्रिया में सक्रिय भागीदार के रूप में कार्य करना चाहिए: लोक सभा अध्यक्ष

...

लोक सभा अध्यक्ष ने चिंतन शिविर के समीक्षा सत्र की अध्यक्षता की

...

17वीं लोकसभा कई उपलब्धियों के लिए ऐतिहासिक रही है

...

17वीं लोकसभा के 11वें सत्र तक उत्पादकता 93.09 प्रतिशत रही, जो 14वीं, 15वीं और 16वीं लोकसभा की इसी अवधि की तुलना में अधिक है

...

17वीं लोक सभा के पहले ग्यारह सत्रों के दौरान कुल 2405 बार सदस्यों ने सरकारी विधेयकों पर चर्चा में भाग लिया, जिसमें 367 बार महिला सदस्यों की भागीदारी भी शामिल है

...

17वीं लोकसभा के पहले से 11वें सत्र के दौरान नियम 377 के तहत मामलों के उत्तरों का प्रतिशत 15वीं और 16वीं लोकसभा में 56.76% और 43.87% की तुलना में बढ़कर 89.92% हो गया

...

17वीं लोक सभा के दौरान संसदीय समितियों का कामकाज अधिक प्रभावी, कुशल और समावेशी हो गया है

...

लोकसभा अध्यक्ष ने अपने कार्यकाल के चार वर्ष पूरे किये

...

**नई दिल्ली; 19 जून, 2023:** लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला, जिन्होंने आज अध्यक्ष के पद पर चार साल पूरे कर लिए हैं, ने संसद भवन परिसर में लोकसभा सचिवालय के अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए आयोजित चिंतन शिविर के समीक्षा सत्र की अध्यक्षता की। इस वर्ष अप्रैल और मई में चिंतन शिविर के दो चरणों का आयोजन किया गया था।

इस अवसर पर बोलते हुए, श्री बिरला ने कहा कि लोकसभा सचिवालय में कार्य संस्कृति ऐसी होनी चाहिए कि वह देश भर के कार्यालयों के लिए एक मॉडल के रूप में काम करे। श्री बिरला ने सचिवालय के कर्मचारियों को परिवर्तन और सुधार की प्रक्रिया में सक्रिय भागीदार के रूप में कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि उन्हें खुद को बेहतर बनाने के अवसरों का अधिक से अधिक लाभ उठाना चाहिए।

सार्थक और उद्देश्यपूर्ण चर्चा और विचार-विमर्श को सुविधाजनक बनाने के लिए चिंतन शिविर एक अनूठी और अग्रणी पहल है। इसका उद्देश्य लोकसभा सचिवालय के अधिकारियों की आत्मा और मन को तरोताजा रखने और लोगों की आकांक्षाओं से जुड़े रहने के लिए प्रशासनिक मुद्दों पर चिंतन करना है।

इस मौके पर 17वीं लोकसभा के आज चार साल पूरे होने वाली कई उपलब्धियों पर भी चर्चा की गई।

## ऐतिहासिक उत्पादकता

17वीं लोकसभा कई उपलब्धियों की साक्षी रही है। यहां तक कि कोविड-19 भी 17वीं लोकसभा के सदस्यों के उत्साह को डिगा नहीं सका। कई मौकों पर महामारी और संसद के सत्रों में कटौती से उत्पन्न चुनौतियों के बावजूद, 17 वीं लोकसभा के पहले ग्यारह सत्रों में 230 बैठकें हुईं, जो 16 वीं लोकसभा की तुलना में अधिक हैं।

17वीं लोकसभा के पहले ग्यारह सत्रों के दौरान, कुल 169 सरकारी विधेयक पारित किए गए हैं, जो 15वीं और 16वीं लोकसभा के पहले ग्यारह सत्रों की तुलना में काफी अधिक है, जिनमें क्रमशः 140 और 134 सरकारी विधेयक पारित किए गए थे।

17वीं लोकसभा के पहले ग्यारह सत्रों के दौरान कुल 2405 बार सदस्यों ने सरकारी विधेयकों पर चर्चा में भाग लिया, जिसमें 367 बार महिला सदस्यों की भागीदारी भी शामिल है। 17वीं लोकसभा विधायी कार्यों में सुधार, नीति-निर्माण और कार्यक्रम कार्यान्वयन में महिला सदस्यों की भूमिका सुनिश्चित करने में भी अग्रणी रही है। पिछले चार वर्षों में, 367 महिला सदस्यों ने विधेयकों पर चर्चा में भाग लिया।

17वीं लोकसभा के ग्यारहवें सत्र तक उत्पादकता 93.09 प्रतिशत रही, जो 14वीं, 15वीं और 16वीं लोकसभा की इसी अवधि की तुलना में अधिक है।

## अधिक जवाबदेही

लोकसभा सचिवालय ने 17वीं लोकसभा के दौरान माननीय अध्यक्ष श्री ओम बिरला की पहल पर नियम 377 के तहत उठाए गए मामलों पर मंत्रालयों के उत्तरों की निगरानी शुरू कर दी है। शीघ्र उत्तर सुनिश्चित करने के लिए, मामलों को लगातार मंत्रालयों के साथ रखा गया था। परिणामस्वरूप, 17वीं लोकसभा के पहले से 11वें सत्र के दौरान नियम 377 के तहत मामलों के उत्तरों का प्रतिशत बढ़कर 89.92% हो गया, जबकि इसी अवधि के दौरान 15वीं और 16वीं लोकसभा में यह क्रमशः 56.76% और 43.87% था। यह माननीय अध्यक्ष द्वारा सुशासन पर ध्यान केंद्रित करने के लिए किए गए प्रयासों को दर्शाता है।

## स्मार्ट संसद: प्रौद्योगिकी का उपयोग

लोकसभा अध्यक्ष संसद के बेहतर और अधिक प्रभावी कामकाज के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग करने के लिए सदस्यों को लगातार प्रोत्साहित कर रहे हैं। 17वीं लोक सभा के चार वर्षों के दौरान लोक सभा सचिवालय में प्रौद्योगिकी के उपयोग में काफी वृद्धि हुई है। सदस्य अब अधिकतम संभव सीमा तक ऑनलाइन

पोर्टल के माध्यम से नोटिस जमा कर रहे हैं और परिणामस्वरूप 17 वीं लोक सभा के 11वां सत्र तक प्राप्त ई-नोटिस का प्रतिशत 16वीं लोकसभा के 44.22% से बढ़कर 95.94% हो गया है।

### **संसदीय समितियों का प्रभावी, कुशल और समावेशी कामकाज**

लोकसभा अध्यक्ष ने प्रौद्योगिकी के उपयोग से संसदीय समितियों के कामकाज को अधिक प्रभावी, कुशल और समावेशी बनाने पर जोर दिया है। अध्यक्ष ने रिपोर्टों और सिफारिशों के प्रति बेहतर और अधिक पेशेवर दृष्टिकोण के लिए समितियों को मुद्दों की गहन जांच की सुविधा प्रदान की है।

पिछले चार वर्षों के दौरान, श्री बिरला ने यह सुनिश्चित करने के लिए व्यापक प्रयास किए हैं कि जनप्रतिनिधियों की सभी आवश्यक आवश्यकताओं तक पहुंच हो, ताकि वे प्रभावी तरीके से सदन की प्रक्रियाओं में भाग ले सकें। इन प्रयासों में अन्य बातों के साथ-साथ मौजूदा आवासीय सुविधाओं में सुधार, नई आवास सुविधाओं का निर्माण, नवीनतम डिजिटल उपकरणों का उपयोग, स्वास्थ्य जागरूकता पहल और कोविड-19 संबंधित सुविधाएं शामिल हैं।

लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए, डिजिटल संसद, भारतीय संसद की एक मिशन मोड परियोजना, को अत्याधुनिक तकनीकों का उपयोग करके शुरू किया गया है, जिसका उद्देश्य विधायिका और इसके प्रतिनिधित्व करने वाले घटकों के बीच की खाई को पाटना है। यह नागरिकों, निर्वाचित प्रतिनिधियों और अन्य सभी हितधारकों को एक साथ लाने के लिए एक मंच है, जो सांसदों को अपने कार्यों और जिम्मेदारियों को कुशलतापूर्वक निर्वहन करने में सक्षम बनाता है। यह एक 'वन-स्टॉप, सीमलेस, पेपरलेस और परिष्कृत प्लेटफॉर्म है जो बदलते डायनेमिक्स के अनुसार विकसित, आधुनिक होता रहेगा।

### **व्यय में मितव्ययिता**

व्यय में प्रभावी निगरानी और मितव्ययिता के परिणामस्वरूप बचत हुई है। 17वीं लोकसभा (2019-2023) के दौरान लोकसभा ने 801.46 करोड़ की बचत की जो 14वीं, 15वीं और 16वीं लोकसभा से काफी अधिक है।